Seminar conducted at ICFAI University on Start-up and Stand-up Initiatives ICFAI University plans to start an Incubation Centre to groom Start-ups September 27, 2016



SEMINAR ON START-UP, STAND-UP ON SOCIO-ECO TRANSFORMATION OF JHARKHAND HELD AT ICFAI

Ranchi: A one-day seminar on "Start-up and Stand-up India for Socio-Economic transformation of Jharkhand" was held at ICFAI University, here on Tuesday. Welcoming the audience to the seminar, Prof ORS Rao. Vice-Chancellor of the University said, "Traditionally, India has been an Entrepreneurial Nation even from pre-Independence Era. As per a recent report, in the technology driven startups, India has moved up to third position in 2015, just behind the US and the UK. Jharkhand also produced a number of successful Entrepreneurial organisations and more importantly, facilitators of entrepreneurship, like Vikas Bharati, Rama Krishna Mission and Jharcraft, which have made a difference the Rural Poor of Jharkhand." Referring to the initiatives taken by ICFAI University to facilitate start-ups in Jharkhand, Prof Rao added "Our University plans to start an Incubation Centre". Addressing the seminar as Chief Guest, Padma Shree Ashok Bhagat, who pioneered Rural Entrepreneurship in Jharkhand, said "Start-up Entrepreneurs should first understand the needs of local people, particularly in Rural Areas, educate the Rural People and take up activities to do Value Addition to agricultural / forest items grown locally". Sri Dhirendra Kumar, former MD, Jharcraft, advised the students to understand the agricultural and forest produce grown in Jharkhand and build businesses around them.



बुधवार, २८ सितंबर २०१६

हिन्दुस्तान

ईक्फाई विविः स्टार्ट अप, स्टैंड अप पर सेमिनार



रांची। पहले ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरत को समझना होगा। उसके अनुसार उनको शिक्षित करना होगा। तभी इन इलाकों में स्टार्ट अप, स्टैंड अप का फायदा मिल सकता है। यह कहना है अशोक भगत (पदाश्री) का। वह मंगलवार को ईक्फाई विवि में आयोजित एक सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। यहां झारखंड में स्टार्ट अप स्टैंड अप विषय वक्ता अपनी राय रख रहे थे। विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा राज्य में स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए विवि में इंक्यूबेशन सेंटर चलाने की बात हो रही है। झारक्राफ्ट के पूर्व एमडी धीरेंद्र कुमार ने कहा कि छात्रों को कृषि और वन आधारित स्टार्ट अप शुरू करना चाहिए। नाबार्ड के उप महाप्रबंधक आरपी आचार्य ने व्यापार शुरू करने के लिए सरकार की ओर से दी जानेवाली सुविधाओं के बारे में बताया। मौके पर कई उद्यमियों को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने किया।

www.ranchiexpress.com



रांची, बुधवार 28 सितंबर, 2016

उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर

वरीय संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय में 'स्टार्टअप और स्टैंडअप पहल' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन मंगलवार को किया गया। सेमिनार में झारखंड में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। युवाओं से उद्यमी बनने का आह्वान किया गया। उद्यमी बनने के सपने कैसे पूरे हो सकते हैं,इसके टिप्स बताए गये। इस ह,इसके टिप्स बताए गया इस दिशा में सरकार की ओर से की गयी पहल की जानकारी दी गयी। बतौर मुख्य अतिथि पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि उद्यमी पहले ग्रमीण क्षेत्रों के लोगों की जरूरतों को समझें और उन्हें शिक्षित करने की दिशा में कार्य करें। झारक्राफ्ट के पूर्व एमडी धीरेन्द्र कुमार ने झारखंड के आसपास कृषि और वन उपज पर स्टार्टअप पहल की जरूरत बतायी। सेमिनार में नाबार्ड



के उपमहाप्रबंधक आरपी आचार्य ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गये कदमों की

पूर्व आईजी शीतल उरांव ने डेयरी पूर्व आइणा शातारा उराव म उपरा व्यवसाय शुरू करने के अनुभव साझे किये। कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि झारखंड में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय

अपने कैंपस में इक्यूवेशन सेन्टर बनाने पर विचार कर रही है। इस मौके पर प्रो. केके नाग, डॉ आर के राय और कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने भी अपने विचार रखे। सेमिनार में कृषि, डेयरी, आईटी, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में झारखंड के छह सफल उद्यमियों को उनकी सफलता के लिए सम्मानित

प्रभात खबर

रांची, बुधवार 06

इक्फाइ विवि में स्टार्ट अप पर सेमिनार



रांची. इक्फाइ विवि में स्टार्ट अप व स्टैंड अप पर सेमिनार का आयोजन किया गया. मौके पर पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि उद्यमी पहले ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय लोगों की जरूरत को समझने

और शिक्षित करें. तभी ग्रामीण उद्यमिता का बीड़ा उठा पार्येगे. झारक्राफ्ट के पूर्व एमडी घीरेंद्र कुमार ने छात्रों को झारखंड के आसपास कृषि एवं वन उपज पर स्टार्ट अप पहल करने की जरूरत बतायी. पूर्व आइजी शीतल उरांव ने डेयरी व्यवसाय शुरू करने के अपने अनुभव को बताया. नाबार्ड के उपमहाप्रबंधक आरजी आचार्य ने नया व्यापार शुरू करने के लिए सरकार द्वारा दी जानेवाली सृविधाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया. इस अवसर पर सफल उद्यमियों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में कुलपित प्रो ओआरएस राव, डॉ केके नाग, डॉ आरके राय, कुलसचिव डॉ बीएम सिंह आदि मीजूद थे.